प्रकाशनार्थ

12 जनवरी, 2023 गोरखपुर।

गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के ब्लड बैंक में स्वामी विवेकानन्द के जन्मदिन के अवसर पर एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

रक्तदान शिविर में इससे पहले ब्लड बैंक प्रभारी डॉ अवधेश अग्रवाल ने कहा कि आप सभी रक्तदाता बन्धु को राष्ट्रीय युवा दिवस की ढेरो शुभकामना ।

राष्ट्रीय युवा दिवस जो की भारत के महान वेदांत के विख्यात एव आध्यात्मिक गुरु स्वामी विवेकानन्द जी के जन्मदिन के अवसर पर मनाया जाता है। जिनका जन्म 12 जनवरी, 1863 को कलकत्ता में हुआ था।

25 वर्ष की उम्र में इन्होंने धर्म शास्त्रों की विद्या प्राप्त कर ली एव देश विदेश की पैदल यात्रा शुरू की वर्ष 1893 में उन्होंने अमेरिका स्थित शिकागो शहर में आयोजित विश्व धर्म महासभा में भारत की ओर से सनातन धर्म का प्रतिनिधित्व किया था । उन्हें 2 मिनट का समय दिया गया था किन्तु उन्हें प्रमुख रूप से उनके भाषण का आरम्भ " मेरे अमेरिकी बहनों एवं भाइयों " के साथ करने के लिये जाना जाता है । इनके दर्शन का मूल वेदांत और योग था।

चिकित्सालय के निदेशक मेजर जनरल डॉ अतुल बाजपेई ने कहा कि युवा भाईयो और बहनों को इस रक्तदाता शिविर में जिनकी उम्र 18 साल से ऊपर है उन्हे इस रक्तदान शिविर में बढ़ चढ़ के हिस्सा लेना चाहिए और दूसरो की मदद करना चाहिए । आप के दिए रक्त से मात्र एक व्यक्ति की नही पूरे परिवार की जिंदगी आप बचा सके है ।।

वहीं ब्लड बैंक अधिकारी डॉ ममता जायसवाल ने कहा कि रक्त दान को लेकर आज भी लोगों के मन में कई सारी गलत धारणाएं मौजूद हैं। ज्यादातर लोग ऐसा सोचते हैं कि ब्लड डोनेट करने से कमजोरी आ जाती है, कई बीमारियां लग सकती हैं। जो कि पूरी तरह से गलत धारणा है। रक्तदान हम सभी की सामुदायिक जिम्मेदारी है। एक रिपोर्ट के अनुसार अस्पताल में जाने वाले सात लोगों में लगभग एक व्यक्ति को खून की जरूरत होती है। कई बार खून की कमी से लोगों की जान तक चली जाती

है। भारत ही नहीं अमेरिका जैसे विकसित देश में भी रक्तदान की एक बड़ी समस्या है। हेल्थ मैटर्स के अनुसार अमेरिकन रेड क्रॉस के मुताबिक यूएस में हर दो सेकंड में किसी न किसी को खून की जरूरत पड़ती है।

जनवरी 2022 में, अमेरिकन रेड क्रॉस ने घोषणा की कि वह ओमिक्रॉन उछाल के बीच एक दशक में सबसे खराब रक्त की कमी का सामना किया। डॉ ममता ने बताया कि फाइनेंशियल एक्सप्रेस की खबर के अनुसार हमारे देश की आबादी का केवल 37 प्रतिशत लोग ही रक्तदान करने योग्य है, लेकिन उनमें से भी 10 प्रतिशत से कम लोग हर साल ब्लड डोनेट करते हैं, ब्लड प्रकृति द्वारा हमे दिया गया सबसे मूल्यवान उपहार है. हम इसके माध्यम से लोगों की कई तरह से मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि अगर हम ब्लड डोनेट करते हैं तो हमें क्या-क्या लाभ मिलते हैं। वजन घटाने में मदद करता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। हृदय रोग के खतरे को कम करता है।कैंसर की संभावना को कम करता है।

रक्तदान के कई सारे स्वास्थ्य लाभ हैं। यही आपको रिफ्रेश फील कराती है और आपको खुशी का अनुभव होता है। रक्तदान का मतलब होता है कि किसी को कहीं न कहीं बहुत जरूरी सहायता मिलेगी।

आज के रक्तदान शिविर में आभार ज्ञापन चिकित्सालय के अपर निर्देश डॉ कामेश्वर सिंह ने किया।

सहबान अली, चंदन कुमार, राजेंद्र प्रसाद, मोहम्मद आरिफ, विजय कुमार गुप्ता, बलबीर सिंह, अभय शर्मा, जगदंबा निषाद, नितेश निषाद, नरेश पासवान, वीरेंद्र प्रसाद, सूरज, ओमकारनाथ तथा अकबरुद्दीन सहित 22 युवाओं ने रक्तदान किया।